।। श्री ।।

आषाढ कृ. ६, कलीयुग वर्ष ५११०

(२४.७.२००८)

आदरणीय मानोज रखितजी,

सप्रेम नमस्कार !

आपके द्वारा भेजे गए अनमोल ग्रंथ 'धर्मगुरुओं प्रणाम!' एवं 'सीड १' प्राप्त हुए। इन्हें पढकर बहुत अच्छा लगा । आपने इतिहासका गहन अध्ययन करके उसके काले पन्नोंको बहुत ही निर्भयतासे समाजको बतानेका प्रयास किया है । आपके लेखोंमें आपके मनमें हिंदु समाजके प्रति असीम प्रेम व उन्हें सत्यसे सामना करवाने व आनेवाले कालके लिए जागरूक करनेकी तीव्र तडप झलकती है । ईश्वरद्वारा सौंपे कार्यको आपने बहुत ही साहस व कर्मठतासे निभा रहे हैं । आपके इन प्रयासोंको सफलता मिले, यही ईश्वरचरणोंमें प्रार्थना है ।

अनेक शुभकामनाओंके साथ,

श्री. मुकुल गाडगीळ

(सनातन संस्थाकी ओर से)